ईश्वरीय
खजाना
टीम
Presents

विशेष पुरुषार्थ

तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की
भिन्न भिन्न युक्तियाँ
बाबा की रोज
जैसे मीठी थपकी है
अन्तर्मन में
जो समा ले इसे
जीवन में उसकी सफलता
शत प्रतिशत पक्की है...

स्वमान की लिस्ट रखी है लेकिन एक-एक स्वमान कितना बड़ा है और किसने दिया है! वर्ल्ड आलमाइटी अथॉरिटी ने एक-एक बच्चे को अनेक स्वमानों की लिस्ट दी है। उसको यूज करो क्योंकि और कोई अथॉरिटी नहीं जो इस स्वमान को आपके कम कर सके। तो स्वमान की अथॉरिटी में रहो, मैं कौन! कभी कौन सा स्वमान सामने रखो, कभी कौन सा स्वमान सामने रखो और चेक करो तो आज अमृतवेले जो विशेष स्वमान बुद्धि में रखा वह स्वमान खज़ाना है ना, इसको यूज किया!

AMRITVELA

You have a list of self-respect, but how great each aspect of that list of self-respect is. And who gave it to you? The World Almighty Authority has given each and every child a list of many points of self-respect. Use that because there is no other authority that can reduce this self-respect of yours. So, stay in the authority of the self-respect of who you are. Sometimes keep one point of self-respect and at another time keep another point of self-respect and check: Today, the special aspect of self-respect that you have kept in your intellect at Amritvela, is a treasure. So did you use that?

AVYAKT VANI - 31.12.2009

📄 Murli Headline

सेवा के साथ देह में रहते विदेही अवस्था का अनुभव बढ़ाओ

और जीवन मुक्त बनो

🌹💞💐

पवित्र-भव और योगी-भव - ये वरदान प्रैक्टिकल स्वरूप में लाओ। तब ही बाप समान बन सकते हैं और बाप के समीप जाने के अधिकारी बन सकते हो।

अव्यक्त बापदादा - 18-01-75

facebook.com/AvyaktMurliEssence

श्रेष्ठ प्रेरणा

केदारनाथ ज्योतिर्लिंग

परमात्मा शिव.. संगमयुग में धरा पर अवतरित होकर... हम आत्माओं को देहभान से मुक्त करके.. हमें विकारों की कैद से छुड़ाते हैं... इसलिए उन्हें केदारनाथ भी कहते हैं...।

Download App - Learn Rajyoga Meditation

शिवलिंग पर बूंद-बूंद जल गिराने का आध्यात्मिक रहस्य

शिव मन्दिरों में शिव-प्रतिमा के कुछ ऊपर रखे हुए घड़े से प्रतिमा पर बूंद-बूंद जल निरन्तर पड़ता ही रहता है। भक्तिमार्ग की यह रस्म इस रहस्य का परिचय देती है कि शिव से हमारे सच्चे स्नेह का एक रूप यह होना चाहिए कि बुद्धि रूपी कलश में भरे ज्ञानरूपी अमृत के बिन्दुओं का तान्ता शिव परमात्मा की ओर लगा रहना चाहिये। अर्थात् "मैं आत्मा हूँ, परमपिता शिव की सन्तान हूँ, परमात्मा शिव ज्ञान के सागर हैं..." ऐसे ज्ञान बिन्दु निरन्तर ईश्वरीय स्मृति का रूप ले लें। परन्तु आज लोग ज्ञान-बिन्दुओं को निरन्तर परमात्मा शिव पर न चढ़ाकर जल तत्त्व ही की धारा उस पर डालते हैं। वास्तव में शिवरात्रि मनाने अथवा शिव से स्नेह करने की सच्ची रीति तो यह है कि ज्ञान-धारा लगातार उस ओर बहती रहे।

"I am a LOVING BEING.
I am not in a race with anyone.
I am on the journey of my life ...
Living life my way.. as per my values.
I get what I deserve as per my karmas.
I don't compare…I don't compete with anyone.

We are all Co-travellers… so Sharing, Caring
And Co-operation are my ways of living."

BKShivani

Yoga gives me eyes to see
my hidden inner world of
thoughts, feelings & identity.
BRAHMA KUMARIS

Brahma Kumaris Websites

Main BK website www.shivbabas.org OR www.brahmakumari.org (by SBS team)

Int'l website: www.brahmakumaris.org

India website: www.brahmakumaris.com

BK Sustenance website: www.bksustenance.net

All Data hosted on www.bkdrluhar.com

Murli Websites: babamurli.net and madhubanmurli.org

www.omshantimusic.net

www.bkgoogle.org

www.bksewa.org

www.bkinfo.in

www.bk.ooo

www.brahmakumari.org/centres

NEW www.IshvariyaKhajana.BKhq.org